समर्पण

परम आदरणीय मामा जी (मामा श्वसुर)
जिनके अनुपम स्नेह एवं मार्गदर्शन
की छत्र-छाया में
मैं निरन्तर शोध-प्रबन्ध को
सफलतापूर्वक पूर्ण कर सकी
उनके पावन वात्सल्य स्मृतियों
को सँजोते हुए

—गुड्डी मिश्रा